मुख्यमंत्री ने एक लाख 22 हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सौगात दी

उन्होंने सभी को दो यूनिफार्म के लिए एक-एक हजार रूपए डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर किए

जयपुर, 30 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित कार्यक्रम में 1 लाख 22 हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को दो यूनिफार्म के लिए 1-1 हजार रूपये की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की। शर्मा ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, कालीबाई भील योजना के लाभार्थियों को भी चैक सौंपे।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आंगनबाड़ी केन्द्रों में वर्ष भर आयोजित की जाने वाली गतिविधियों के वार्षिक कैलेंडर का भी विमोचन किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित कार्यक्रम में 1. 22 लाख आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के खातों में यूनिफार्म के लिए 1-1 हजार रूपये की राशि ट्रांसफर की।

शर्मा ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नौनिहालों का पूरा ध्यान रखती हैं और वे इस भावी पीढ़ी की नींव को मजबूत कर राष्ट्र निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले दो वर्ष में आंगनबाड़ियों के सुदृढ़ीकरण के लिए कई निर्णय लिए हैं। हमारी सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मिड डे मील कुक कम हेल्पर सहित समस्त मानदेय कर्मियों के मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि की है जो 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी हो जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के सशक्त होने से ही देश-प्रदेश का विकास संभव है। हमारी सरकार द्वारा लखपति दीदी योजना के तहत प्रदेश में अब तक 16 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाई गई है। साथ ही, इस वर्ष के बजट में लखपति दीदी योजना के तहत ऋण राशि को 1 लाख से बढ़ाकर 1.5 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी केंद्रों में वर्ष भर आयोजित की जाने वाली गतिविधियों के वार्षिक कैलेंडर का भी विमोचन किया।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, महिला बाल विकास राज्यमंत्री मंजू बाघमार, शासन सचिव महिला एवं बाल विकास श्रीमती पूनम सहित विभिन्न अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं एवं सहायिकाएं मौजूद थी।

महेश नगर में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ आक्रोश फूटा

जयपुर, 30 मार्च। महेश नगर थाना इलाके में रविवार देर रात अवैध शराब की बिक्री को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। कॉलोनीवासियों और शराब बेचने वालों के खिलाफ जमकर कहासुनी हुई। जिसके बाद गुस्साए लोगों ने स्कॉर्पियो और वहां खड़ी बाइकों में जमकर तोड़फोड़ कर दी और बाइक में आग लगा दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर लोगों को खदेड़ा। पुलिस ने इस मामले में 12 से ज्यादा लोगों को राउंड अप कर दिया।

थानाधिकारी सुरेश यादव ने बताया कि थाना इलाके में स्थित केके फैक्ट्री के पास शराब की एक दुकान पर रविवार देर रात करीब साढ़े 10 बजे अवैध शराब ब्रिकी को लेकर कॉलोनीवासियों और शराब बेचने वालों में कहासुनी हो गई। देखते ही देखते कहासुनी हिंसक झड़प में बदल गई। आरोप है कि शराब दुकानकर्मियों के मारपीट करने पर कॉलोनी के लोगों भी उग्र हो गए। पुलिस ने भीड़ को हटाकर स्थिति को शांत करवाया। हालात पर काबू पाकर उपद्रव मचाने वाले 12 से ज्यादा लोगों को राउंडअप किया।

उदयपुर सैशन कोर्ट को 5 बमों से उड़ाने की धमकी मिली

पुलिस व बम स्क्वॉड टीम ने कोर्ट परिसर खाली कर सर्च ऑपरेशन चलाया

उदयपुर, 30 मार्च (कासं)। उदयपुर कोर्ट को एक साथ पांच बमों से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सोमवार को हड़कंप मच गया। सुरक्षा के चलते पुलिस ने पूरे कोर्ट परिसर को तुरंत खाली कराया। पुलिस और बम स्कवायड टीमों ने मौके पर पहुंचकर सर्च ऑपरेशन चलाया। हालांकि जांच के बाद कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली।

■ जिला एवं सैशन न्यायाधीश के ऑफिस के मेल आईडी पर सुबह 6:32 पर धमकी आई कि दोपहर 1 बजे एक साथ पाँच बम ब्लास्ट होंगे। ऑफिस खुलने पर कर्मचारियों ने मेल देखा और न्यायाधीश को बताया।

जानकारी के अनुसार, जिला एवं सेशन न्यायधीश के ऑफिस की मेल आईडी पर सोमवार सुबह 6.32 बजे यह मेल आया। उसमें लिखा था कि कोर्ट परिसर में दोपहर 1 बजे एक साथ 5 बम ब्लास्ट होंगे।

सुबह ऑफिस खुलने पर जब कर्मचारियों ने मेल देखा तो जिला एवं सेशन न्यायधीश को बताया। इसके बाद पुलिस ने कोर्ट परिसर को खाली करवाया और सर्चिंग शुरू की। सोमवार होने की वजह से कोर्ट में काफी भीड़ थी, वकील अपनी फाइलों के साथ तैयार थे और लोग अपनी पेशी का इंतजार कर रहे थे। ऐसे में अचानक पुलिस की हलचल से सब लोग घबरा गए। अचानक पुलिस और सुरक्षाकर्मियों ने एक- एक कर वकीलों, और वहां आए सभी लोगों को बाहर निकालना शुरू किया।

हालांकि पुलिस ने बाद में सबको बताया कि ई-मेल पर दोपहर के समय कोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इस कारण कोर्ट परिसर को खाली करवाया। कुछ ही मिनटों में कोर्ट रूम से लेकर बरामदे तक सन्नाटा पसर गया और लोग बाहर सडकों पर जमा हो गए। जैसे ही लोग बाहर निकले, पुलिस के बड़े अधिकारी और बम स्कॉयड की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस का भारी जाब्ता और कमांडो स्टाइल में हो रही हलचल को देख वहां मौजूद लोगों के बीच हडकंप मच गया।

पुलिस के आला अधिकारियों और बम स्कॉयड की टीम ने कोर्ट के अलग.अलग हिस्सों में तुरन्त सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। कोर्ट के कमरों से लेकर कैंटीन और पार्किंग एरिया तक हर कोने को बारीकी से खंगाला गया। एटीएस की टीम ने भी संदेहास्पद जगहों पर अपनी जांच की। पुलिस ने एहतियात के तौर पर पूरे इलाके को घेर लिया और बारीकी से सर्चिंग की। हालांकि टीमों को कही भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

लश्कर ए तैयबा का कुख्यात आतंकी शब्बीर लोन गाजीपुर में पकड़ा गया

लोन का सीधा संबंध लश्कर के सरगना हाफिज सईद व उसके सहयोगी लखवी के साथ था

नई दिल्ली, 30 मार्च। राजधानी दिल्ली में बड़े आतंकी हमले की साजिश को नाकाम करते हुए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक दुर्दान्त आतंकवादी शब्बीर अहमद लोन को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, लोन इस पूरे मॉड्यूल का हैंडलर था और हाल ही में सामने आए मेट्रो पोस्टर मामले में पकड़े गए आतंकी नेटवर्क को संचालित कर रहा था।

■ लोन लंबे समय से बांग्लादेश में रहकर भारत विरोधी गतिविधियों का संचालन कर रहा था। उसने कोलकाता के हटियार में एक 'सेफ हाउस' बनाया था, जिसका उपयोग आतंकी गतिविधियों के संचालन में होता था।

स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि स्पेशल सेल की नई दिल्ली रेंज के पुलिस उपायुक्त प्रवीण त्रिपाठी की देखरेख मे आतंकी को रविवार देर रात गाजीपुर इलाके से गिरफ्तार किया गया है।

स्पेशल सेल के अधिकारियों ने बताया कि शब्बीर अहमद लोन के कब्जे से करीब 2,300 बांग्लादेशी टका, 3,000 से 5,000 पाकिस्तानी मुद्रा (लगभग 3,000 भारतीय रुपये के बराबर) और एक नेपाली सिम कार्ड मिला है। इन सभी सामानों को जब्त कर लिया गया है और उनकी फॉरेंसिक जांच की जा रही है। जांच से यह भी सामने आया है कि लोन लंबे समय से बांग्लादेश में रहकर भारत विरोधी गतिविधियों को संचालित कर रहा था। इससे पहले उसने हटियारा (कोलकाता) में अपने मॉड्यूल के लिए एक ठिकाना तैयार किया था, जो उसके सहयोगियों के लिए 'सेफ हाउस' के तौर पर इस्तेमाल होता था। स्पेशल सेल के अधिकारी के मुताबिक, यह ठिकाना आतंकी गतिविधियों के संचालन और सदस्यों के छिपने के लिए बेहद अहम था। यहीं से मॉड्यूल के सदस्यों को निर्देश दिए जाते थे और आगे की साजिशें रची जाती थीं।

पुलिस के मुताबिक, शब्बीर अहमद लोन बांग्लादेश में बैठकर भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। वह एन्क्रिप्टेड ऐप्स के जरिए अपने सहयोगियों के संपर्क में रहता था और उन्हें निर्देश देता था। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि यह पूरा नेटवर्क पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर काम कर रहा था, जो इसे फंडिंग और लॉजिस्टिक सपोर्ट मुहैया करा रही थी।

जांच में यह भी सामने आया है कि शब्बीर अहमद लोन के सीधे संबंध लश्कर के सरगना हाफिज सईद और उसके सहयोगी जकी-उर-रहमान लखवी से रहे हैं। शब्बीर अहमद लोन कोई नया नाम नहीं है। वर्ष 2007 में भी उसे दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद, के साथ गिरफ्तार किया था। उस समय उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था और वह 2018 तक तिहाड़ जेल में बंद रहा।

कुवैत का बिजली व पानी का डीसैलिनेशन प्लांट क्षतिग्रस्त

कुवैत सिटी, 30 मार्च। ईरानी हमले से कुवैत का बिजली और पानी का डीसैलिनशन प्लांट क्षतिग्रस्त हो गया है। कुवैती अधिकारियों का कहना है कि हमले में एक भारतीय कर्मचारी की मौत हो गई और इमारत को भौतिक नुकसान पहुंचा है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब युद्ध से क्षेत्रीय तनाव बढ़ रहा है।

अल जजीरा चैनल और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, कुवैत के बिजली मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा, "ईरान ने देश के एक बिजली और पानी के डीसैलिनशन प्लांट में स्थित एक सर्विस बिल्डिंग पर हमला किया है। इस हमले में एक भारतीय कर्मचारी की मौत हो गई और इमारत को काफी भौतिक नुकसान पहुंचा है।"

■ ईरान के हमले में इस प्लांट की इमारत को बहुत नुकसान हुआ।

ईरान ने अभी तक इस हमले पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। सरकारी मीडिया ने कुवैत के मंत्रालय के हवाले से कहा कि हमले के कारण प्लांट को भारी नुकसान पहुंचा है।

स्पेन ने ईरान युद्ध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है कि हर कोई स्पेन की स्थिति जानता है। यह बहुत स्पष्ट है। यह युद्ध पूरी तरह से गैर-कानूनी एवं अन्यायपूर्ण है।"

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्पेन के इस कदम से इस संघर्ष के प्रति यूरोप के सबसे बड़े आलोचक के तौर पर उसकी स्थिति और मजबूत हुई है। वहीं अमेरिका और स्पेन में दरार और गहरी हो गई है।

हवाई क्षेत्र बंद होने से अमेरिकी सैन्य विमानों के साथ ही ब्रिटेन और यूरोप के अन्य हिस्सों में तैनात सैन्य विमानों को पश्चिम एशिया में अपने लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए नाटो के सदस्य देश स्पेन को छोड़कर दूसरे रास्ते से जाना पड़ रहा है। हालांकि, आपातकालीन स्थितियों पर यह नियम लागू नहीं है।

स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के सबसे मुखर विरोधियों में से एक रहे हैं। उन्होंने इन हमलों को लापरवाह और अवैध करार दिया था। उन्होंने युद्ध को रोकने की अपील करते हुए कहा कि आप एक गैर-कानूनी काम का जवाब दूसरे गैर-कानूनी काम से नहीं दे सकते, क्योंकि इसी तरह मानवता की बड़ी-बड़ी विपत्तियां शुरू होती हैं।

बीकानेर में बुजुर्ग को डरा कर 5.10 लाख रूपए की ठगी

बीकानेर, 30 मार्च (निसं)। डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ठगी का एक मामला सामने आया है, जिसमें ठगों ने एक बुजुर्ग को वीडियो कॉल के जरिए डराकर 5.10 लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिए। बाद में जब ठगों ने 50 लाख रुपए की और मांग की, तब पीड़ित को शक हुआ और मामले का खुलासा हुआ। शिकायत के बाद, सायबर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 1.76 लाख रुपए होल्ड करवा दिए हैं।

■ गंगाशहर निवासी बुजुर्ग से जब ठगों ने 50 लाख की मांग की तो उसे शक हुआ व पुलिस में शिकायत की।

गंगाशहर निवासी बुजुर्ग के पास 14 मार्च को एक वीडियो कॉल आया। कॉल करने वालों ने खुद को अधिकारी बताते हुए उनके खाते से करीब 3 करोड़ रुपए के संदिग्ध लेनदेन का हवाला दिया। ठगों ने केनरा बैंक के खाते का जिक्र कर उन्हें लगातार डराने-धमकाने की कोशिश की। ठगों ने एक सिम कार्ड से आपत्तिजनक मैसेज और वीडियो भेजने का आरोप लगाते हुए, उन्हें एक युवती की आत्महत्या के मामले में फंसाने की धमकी दी। इसके बाद पीड़ित को डिजिटल अरेस्ट बताकर किसी से संपर्क नहीं करने और लगातार उनके संपर्क में बने रहने के निर्देश दिए गए। लगातार दबाव और डर के माहौल में बुजुर्ग ने अपने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाते से एक निजी बैंक खाते में 5.10 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। 27 मार्च को ठगों ने फिर संपर्क कर 50 लाख रुपए की और मांग की। इस पर पीड़ित को संदेह हुआ कि वे ठगी का शिकार हो चुके हैं।

असम के चुनाव से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिसमें एएफपीएफ के 1600 कर्मियों को चुनाव ड्यूटी में असम पुलिस की मदद के लिए तैनात करने को कहा गया था।

संरक्षण विशेषज्ञों का कहना है कि यह आदेश स्थापित कानूनी और प्रशासनिक नियमों के खिलाफ है तथा चुनाव आयोग के जून 2023 के आदेश के उस हिस्से का भी उल्लंघन करता है, जिसमें भारतीय वन सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों और सभी क्षेत्रीय वन कर्मचारियों को चुनाव ड्यूटी से छूट दी गई है। उनका कहना है कि मई 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड में वन अधिकारियों और विभागीय वाहनों को चुनाव ड्यूटी से छूट दी थी। मार्च 2024 में नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने भी कहा था कि लोकसभा चुनाव के दौरान राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के वन कर्मचारियों को चुनाव ड्यूटी में शामिल नहीं किया जाना चाहिए।

संरक्षणवादियों का कहना है कि चुनाव के समय वन कर्मचारियों की तैनाती से जंगल और वन्यजीवों की सुरक्षा कमजोर होती है, खासकर ऐसे समय में जब पर्यावरणीय खतरे बढ़ रहे हैं। उनका यह भी कहना है कि इस तरह का आदेश सरकार को कानूनी जांच के दायरे में ला सकता है, क्योंकि यह "बाध्यकारी निर्देशों की नॉन-कप्लायंस है।"

कोटा में तेज बारिश से नयापुरा में जाम लगा

एमबीएस अस्पताल परिसर में आधा दर्जन व रामपुरा में एक विशाल पेड़ गिरा

कोटा, 30 मार्च (निसं)। पश्चिमी विक्षोभ के असर से कोटा शहर में तेज हवाओं के साथ सोमवार दोपहर बारिश हुई। बेमौसम शुरू हुई मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। तेज बारिश से पहले आंधी आई और बिजली कड़की। आंधी के दौरान कई पेड़ सड़क पर आ गिरे। इसके साथ ही किसानों को भारी नुकसान पहुंचा है।

■ महावीर जयंती की छुट्टी होने के कारण भामाशाह कृषि उपज मंडी में किसान फसल लेकर नहीं आए थे, इस कारण वे भारी नुकसान से बच गये।

अधिकांश किसानों की गेहूं, लहसुन और चने की फसल खेत में ही खड़ी है या फिर कटकर खेत में ही पड़ी है। इन सबको भारी नुकसान पहुंचा है। हालांकि मौसम विभाग ने तीन दिन पहले ही भारी बारिश की चेतावनी दे दी थी। बेमौसम की इस बारिश से एमबीएस अस्पताल परिसर में करीब आधा दर्जन के आसपास पेड़ गिर गए। इसी तरह से रामपुरा में एक विशाल पेड़ गिर गया, जिसके नीचे कई वाहन दब गए। स्टेशन रोड पर नटराज टॉकीज के नजदीक भी एक पेड़ गिर गया। इससे नयापुरा में यातायात जाम जैसी स्थिति हो गई। नयापुरा चौराहे पर भारी संख्या में वाहन फंस गए और जाम लग गया। दूसरी तरफ भामाशाह कृषि उपज मंडी में महावीर जयंती के अवसर पर छुट्टी होने के चलते किसानों को राहत मिली, अन्यथा तुलाई के लिए पहुंची उनकी फसल को भी नुकसान होता।

भारतीय राष्ट्रीय किसान महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज दुबे ने राज्य सरकार से माँग की है कि बेमौसम हुई बारिश से, खेतों में खड़ी और कटी फसल को हुये भारी नुकसान का किसानों को उचित मुआवजा दिया जाये। मनोज दुबे ने कहा कि खेतों में गेहूं, लहसुन और चने आदि की फसल तैयार खड़ी है या फिर कटकर पड़ी है। बेमौसम बारिश ने किसानों पर कहर ढा दिया है।

हाड़ौती किसान आंदोलन के संयोजक कुंदन चीता का कहना है कि सरकार को तत्काल इस पूरे घटनाक्रम पर एक्शन लेना चाहिऐ। बारिश से हुई खराबी का तत्काल सर्वे कराया जाए। प्रशासन को इस संबंध में निर्देश देने चाहिए। कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक अतीश कुमार शर्मा का कहना है कि गेहूं की फसल खेत में खड़ी हो या फिर कटकर पड़ी हो, दोनों की क्वालिटी खराब होगी। लहसुन में भी खराबी होगी। सरसों की फसल कट चुकी है और खेत में पड़ी है।

अमेरिका ने ईरान के मशहद एयरपोर्ट पर हमला किया

तेहरान, 30 मार्च। अमेरिका ने ईरान के मशहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बड़ा हवाई हमला किया है। इस हमले में भारी नुकसान हुआ है। रिपोर्टों से पता चलता है कि जब हमला किया गया, एयरपोर्ट पर एक विमान खड़ा था। ईरान के सरकारी सूत्रों ने कहा कि हमले में महान एयर का एक नागरिक विमान नष्ट कर दिया गया। विमान को दिल्ली जाना था, जहां से इसे युद्ध पीड़ितों के लिए 11 टन से ज्यादा मानवीय दवाएं लेकर वापस आना था। जिसे भारतीय नागरिकों ने ईरान की मदद के लिए जुटाया है। हालांकि, यह प्लेन दिल्ली नहीं पहुंच सका और एयरपोर्ट पर ही हमले का शिकार हो गया।

■ दिल्ली जाने के लिये तैयार नागरिक विमान भी इस हमले का शिकार हुआ

इस बीच इजरायल ने भी तेहरान में हमले शुरू किए हैं। इजरायल ने सोमवार को कहा कि वह पूरे तेहरान में सैन्य ठिकानों पर हमले कर रहा है। इजरायल की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बयान के एक दिन बाद हुई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि जल्द ही तेहरान के साथ कोई समझौता हो सकता है। हालांकि, ट्रंप ने जमीनी कार्रवाई की संभावना से इनकार नहीं किया। ईरान ने सोमवार को रिवोल्यूशनरी गार्ड नेवी के कमांडर अलीरेजा तंगसिरी के मारे जाने की पुष्टि की है। इजरायल ने कुछ दिनों पहले कहा था कि उसने एक हवाई हमले में तंगसिरी को निशाना बनाया था।

ईरान ने इज़रायल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में हाइफ़ा तेल रिफाइनरी आ गई और उसमें आग लग गई। इसके अलावा दक्षिणी लेबनान में छिड़ी लड़ाई में तीन सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए। इज़रायली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) का कहना है कि कल रात ईरानी हथियार फैक्ट्रियों पर 80 से ज्यादा बम गिराए गए। तुलकारम के पास कथित तौर पर गाड़ी से टक्कर मारने की कोशिश में एक संदिग्ध को गोली मार दी गई।

रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह ने आईडीएफ के एक सैनिक को मार गिराया। इस सैनिक की पहचान सार्जेंट लिरान बेन जियोन (19) के रूप में हुई है। वह एंटी-टैंक मिसाइल हमले में जान गंवा बैठे। कुछ देर पहले ईरान ने दक्षिण इज़रायल पर बैलिस्टिक मिसाइल हमला किया है।

ईरान अब "पिनपॉइन्ट" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इनमें मौजूद क्रू यह जानकारी तुरंत पैंटागन के कंट्रोल सेंटर, जमीनी सेना और लड़ाकू इकाइयों तक पहुंचाते हैं।

सऊदी बेस पर हुए इस हमले में, जिसमें एवैक्स विमान तबाह हो गया, अमेरिकी सेना को भी भारी नुकसान भी हुआ। कम से कम 10 सैनिक घायल हुए हैं, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। हालांकि अमेरिका इस मानव नुकसान पर खुलकर कुछ नहीं कह रहा, लेकिन रिपोर्टों के अनुसार यह संख्या लगातार बढ़ रही है।

अगर ईरानियों को अमेरिकी सेना की स्थिति या उनकी लैण्डिंग के बारे में इसी तरह की एकदम सटीक खुफिया जानकारी मिलती रही तो जमीन पर हमला करने की अमेरिका की योजनाएं बहुत महंगी साबित हो सकती हैं। अमेरिका ने जमीनी हमले के जरिए ईरान के अहम खार्ग द्वीप स्थित तेल टर्मिनल पर कब्जा करने का वादा किया है।

जानकारी के अनुसार, अमेरिका ने एशिया के अन्य हिस्सों से करीब 3,500 मरीन सैनिक जुटा लिए हैं। इस योजना के दो मुख्य लक्ष्य हैं-पहला, खार्ग द्वीप पर कब्जा करना, जो ईरान का प्रमुख तेल निर्यात केंद्र है; और दूसरा, देश के अंदर जाकर समृद्ध यूरेनियम के भंडार को ढूंढकर अपने नियंत्रण में लेना।

अमेरिका को डर है कि अगर यह यूरेनियम ईरान के पास रहा, तो इसे परमाणु हथियार में बदला जा सकता है। हालांकि ये भंडार जमीन के अंदर और अलग-अलग स्थानों पर छिपाए गए हैं, जिससे उन्हें ढूंढना बहुत कठिन है।

ईरानी नेताओं ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिकी सेना उनके देश में प्रवेश करती है, तो वे जबरदस्त जवाब देंगे। ईरानी सेना पहले से ही तैयार स्थिति में है। अगर रूस से ईरान को अमेरिकी हमले की योजना की जानकारी मिलती है, तो अमेरिकी सैनिक आसान शिकार बन सकते हैं। इसी कारण कोई आश्चर्य नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जमीनी युद्ध में सैनिक भेजने के बजाय कोई दूसरा रास्ता खोजने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि यह युद्ध भारी नुकसान वाला साबित हो सकता है।

प्रधानमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

योजना थी, जिसे बदलकर अब 18 से 25 वर्ष किया गया है। युवाओं को प्रतिमाह 5000 रुपए के स्थान पर अब 9000 रुपए दिए जाएंगे।ष

इस प्रोजेक्ट को सफल बनाने के लिए राज्य सरकार को भी अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। साथ ही सभी विभागों को निर्देशित किया गया है कि सामूहिक सहभागिता से अधिक से अधिक युवाओं को इस स्कीम से जोडा जाए। प्रदेश की सरकार इस योजना के प्रचार-प्रसार से लेकर इसकी मॉनिटरिंग तक की जिम्मेदारी निभाएंगी।

पूर्व में सिर्फ 500 कंपनियों में इंटर्नशिप करवाने की तैयारी थी, लेकिन अब छोटे व लघु उद्यमों, विशेष औद्योगिक क्षेत्रों और केन्द्र व राज्य सरकार के साथ पंजीकृत कंपनियों को इंटर्नशिप प्रोग्राम से जोड़ा गया है। इस योजना को सफल बनाने के उद्देश्य से आगामी 1 अप्रैल को मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली जाएगी।

ट्रंप की "लोकप्रियता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके राजनीतिक परिणाम बहुत गंभीर हो सकते हैं। सन् 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में महंगाई और जीवन-यापन की लागत बड़े मुद्दे थे। ट्रंप ने खुद को मजबूत अर्थव्यवस्था देने वाले नेता के रूप में पेश किया था। लेकिन ताजा सर्वे बताते हैं कि लोगों को अभी तक उनके वादों के पूरा होने का कोई सबूत नज़र नहीं आ रहा है। इसके साथ ही, भरोसे में कमी का एक और बड़ा मुद्दा भी सामने आ रहा है। ट्रंप ने अपने कार्यकाल की शुरुआत में अर्थव्यवस्था पर बेहतर रेटिंग पाई थी, लेकिन उसके बाद से लगातार गिरावट यह दिखाती है कि रोजमर्रा के मुद्दों पर लोगों का भरोसा कम हुआ है। इतिहास बताता है कि जब गिरावट रोजमर्रा की आर्थिक समस्याओं से जुड़ी हो, तो उसे वापस सुधारना आसान नहीं होता। रिपब्लिकन पार्टी के लिए चिंता सिर्फ मौजूदा अप्रूवल रेटिंग तक ही सीमित नहीं है। अगर अर्थव्यवस्था पर कमज़ोरी बनी रहती है, तो आने वाले चुनावों में इसका असर पड़ सकता है। अगर महंगाई और अंतरराष्ट्रीय तनाव ऐसे ही बने रहे, तो सरकार को लगातार दबाव में फैसले लेने पड़ सकते हैं।

रॉयटर्स के पत्रकार जेसन लैंग और बो एरिक्सन के अनुसार, अर्थव्यवस्था और महंगाई ही वो बड़े मुद्दे थे, जिनकी वजह से ट्रंप फिर से सत्ता में आए। लेकिन ये समस्याएं कम नहीं हुई हैं, बल्कि और बढ़ती दिख रही हैं।

यह देखना बाकी है कि यह गिरावट अस्थायी है या लंबे समय तक जारी रहेगी। लेकिन इतना साफ है कि ट्रंप का दूसरा कार्यकाल अब उनकी राजनीतिक लोकप्रियता की लहर से नहीं, बल्कि जनता के बढ़ते अविश्वास से तय हो रहा है और इस अविश्वास की वजह वही मुद्दे हैं, जिन्होंने कभी उनकी राजनीतिक अपील को मजबूत बनाया था।

शिक्षक परीक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एसओजी ने मूल अभ्यर्थी सम्पतलाल को इसी साल 13 जनवरी को गिरफ्तार कर लिया था।

नीतीश ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह भी चर्चा है कि उनके बेटे निशांत उनकी जगह ले सकते हैं, लेकिन इस पर अभी भी अनिश्चितता है। जेडीयू की दूसरी पंक्ति के नेता, जैसे श्रवण कुमार, अशोक चौधरी और विजय कुमार चौधरी का प्रभाव सीमित क्षेत्रों तक ही है।

एक बड़ा सवाल यह भी है कि कुमार द्वारा बड़ी मेहनत से तैयार किया गया अति पिछड़ा वर्ग (एक्स्ट्रीमली बैकवर्ड क्लास /ई.बी.सी.) और महिलाओं का वोट बैंक अब किस दिशा में जाएगा। पिछले कुछ वर्षों में, उत्तर और मध्य भारत के कई हिस्सों में ईबीसी वर्ग का झुकाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की ओर हुआ है, लेकिन बिहार एक अपवाद बना रहा, जहां कुमार इन वर्गों के बीच सर्वाधिक स्वीकार्य नेता बने रहे।

कुमार के हटने से, यह सामाजिक समर्थन बंट सकता है। ये वर्ग आगे किस तरफ जाते हैं, इससे आने वाले समय में बिहार के चुनावी गणित पर बड़ा असर पड़ सकता है।

हरमाड़ा के अपार्टमैंट परिसर में झूला टूटा, बच्ची का सिर फटा

जयपुर, 30 मार्च। हरमाड़ा थाना इलाके में स्थित एक अपार्टमेंट परिसर में लगा झूला टूट गया। झूले की चपेट में आई बच्ची का सिर फट गया और उसकी नाक की हड्डी और जबड़ा टूट गया। जिसके बाद अपार्टमेंट परिसर में रहने वाले स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने सोसायटी मैनेजमेंट पर लापरवाही का आरोप लगाया।

■ सनसिटी के मैक्स हाइट अपार्टमैंट के सोसायटी मैनेजमैंट के खिलाफ मामला दर्ज।

थानाधिकारी उदय यादव ने बताया कि सनसिटी स्थित मैक्स हाईट अपार्टमेंट में रहने वाली विजय लक्ष्मी शर्मा ने मामला दर्ज कराया कि रविवार को उनकी भतीजी परिवार के साथ उसके घर आई थी।

शाम 4 बजे भतीजी की 12 साल की बेटी आशी पारीक अपार्टमेंट परिसर के ग्राउंड फ्लोर पर लगे झूले पर झूलने चली गई।

झूला झूलते समय अचानक टूट गया और झूला में लगे पाइप बच्ची के ऊपर आकर गिरे। जिससे बच्ची घायल हो गई। चीख-पुकार की आवाज सुन ग्राउंड फ्लोर पर मौजूद लोग बाहर पहुंचे। झूले के नीचे दबी बच्ची को बाहर निकाल कर उसे नजदीकी अस्पताल भिजवाया। झूला की चपेट में आने से बच्ची के मुंह में मल्टीपल फ्रैक्चर, नाक की हड्डी टूट गई।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908